

61 पेटेंट पाने की कतार में आइआइटी इंदौर

इंदौर। आइआइटी इंदौर को पहला पेटेंट 2013 में मिला था। कंप्यूटर साइंस की तकनीक से जुड़ा पहला पेटेंट हासिल करने के सात साल बाद अब आइआइटी इंदौर 61 पेटेंट के लिए कतार में है। पेटेंट हासिल करने के दावों को संस्थान के प्रोफेसर्स और शोधार्थियों ने फाइल कर दिया है। उम्मीद है कि अगले वर्ष की शुरुआत तक कुछ नए आविष्कार व तकनीकों के अधिकार पेटेंट के रूप में आइआइटी के पास होंगे। आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. निलेश जैन के मुताबिक जिन पेटेंट के लिए आइआइटी ने आवेदन फाइल किया है, वे कई तरह की खोजों से जुड़े हैं। पुराने टायरों से टिकाऊ पेवर ब्लॉक बनाने की तकनीक संस्थान ने विकसित की है। इसका पेटेंट हासिल करने के लिए आवेदन फाइल कर दिया है। इसके अलावा ऐसे वाहन जो समुद्र के भीतर भी चल सकें, उसका प्रोटोटाइप भी आइआइटी बना चुका है। सुरक्षा प्रणाली के साथ ही संचार की नई तकनीक के पेटेंट भी फाइल किए गए हैं। -नम्र